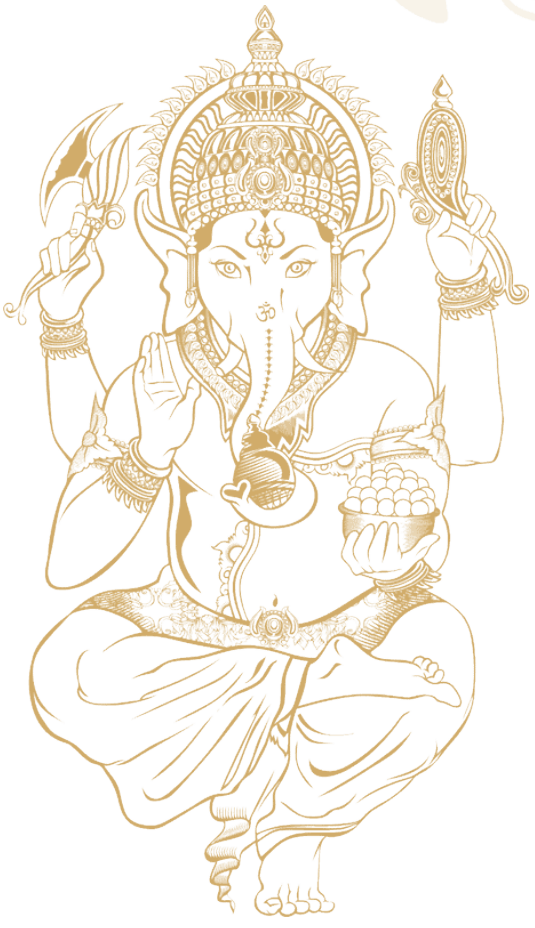

Rachit Smriti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119012403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/03/1991	जन्म तिथि	15/12/1997
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	21:15:00 घंटे
घटी 20:08:43	जन्म समय(घटी)	35:20:07 घटी
India	देश	India
Dehradun	स्थान	Dehradun
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
78:03:00 पूर्व	रेखांश	78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:30	सूर्योदय	07:06:57
18:26:40	सूर्यास्त	17:18:59
23:44:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:38

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 6मा 14दि		12:45:03	कर्क	लग्न	कर्क	22:02:58	राहु 1वर्ष 0मा 13दि	
शुक्र		02:31:48	मीन	सूर्य	वृश्चि	29:52:52	शनि	
30/09/2016		15:35:09	मीन	चंद्र	मिथु	19:13:57	29/12/2014	
30/09/2036		27:42:17	वृष	मंगल	मक	04:07:40	29/12/2033	
शुक्र	30/01/2020	16:31:12	मीन	बुध व	धनु	03:51:34	शनि	01/01/2018
सूर्य	29/01/2021	10:05:15	कर्क व	गुरु	मक	25:12:40	बुध	10/09/2020
चन्द्र	30/09/2022	04:24:19	मेष	शुक्र	मक	07:44:21	केतु	20/10/2021
मंगल	30/11/2023	10:15:42	मक	शनि व	मीन	19:42:28	शुक्र	19/12/2024
राहु	30/11/2026	02:28:17	मक व	राहु व	सिंह	20:11:48	सूर्य	01/12/2025
गुरु	31/07/2029	02:28:17	कर्क व	केतु व	कुंभ	20:11:48	चन्द्र	03/07/2027
शनि	30/09/2032	19:38:30	धनु	हर्ष	मक	12:28:04	मंगल	10/08/2028
बुध	31/07/2035	22:44:07	धनु	नेप	मक	04:33:01	राहु	17/06/2031
केतु	30/09/2036	26:28:55	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	12:20:36	गुरु	29/12/2033

लग्न-चलित

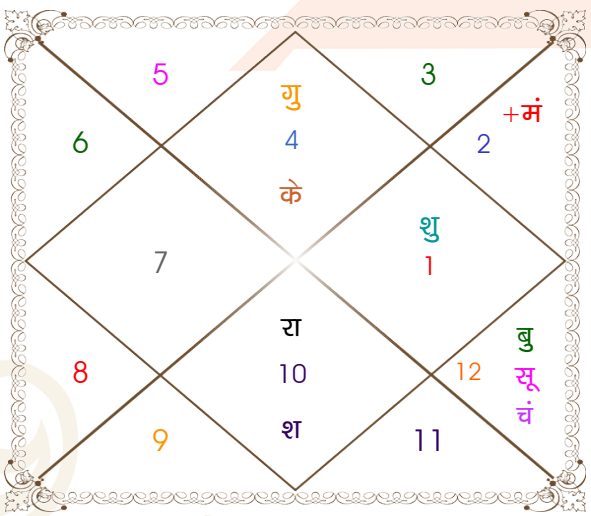

लग्न-चलित

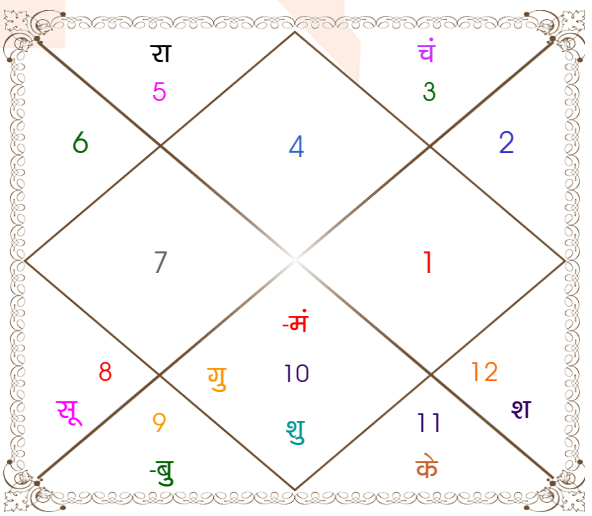

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Rachit का वर्ग सिंह है तथा Smriti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rachit और Smriti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rachit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Smriti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Smriti कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Smriti कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Smriti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Rachit कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Rachit कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rachit कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rachit तथा Smriti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।